

## Tattvarthadhigam Sutram Part 03

Folder No.	022487
Granth Name	Tattvarthadhigam Sutram Part 03
Author	Rajshekharsuri, Dharmshekhharvijay, Divyashekharvijay
Publisher	Arihant Aradhak Trust
Edition	1
Year	2014
Pages	202

### तत्त्वार्थाधिगम सूत्रम् भाग ०३

श्लो६२२ नं.	०२२४८७
ग्रन्थ	तत्त्वार्थाधिगम सूत्रम् भाग ०३
लेखक	राजशेखरसुरि, धर्मशेखरविजय, दिव्यशेखरविजय
प्रकाशक	अरिहंत आराधक ट्रस्ट
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२०१४
पृष्ठ	२०२

मुख्य टाईटल

सुकृतम् -----	२
भूमिका -----	३
संलयाङ्कोनुं संस्मरण -----	८
संपादकनी संवेदना -----	११
पढेवो अध्याय -----	१८
विषयानुक्रम -----	१४
सूत्र-१ रत्नशर्करावालुकापङ्कधूमतमोमहातमःप्रभा -----	३
सूत्र-२ तासु नरका -----	२०
सूत्र-३ नित्याशुभतरलेश्यापरिणामदेहवेदनाविक्रिया -----	२४
सूत्र-४ परस्परोदीरितदुःखाश्च -----	४९
सूत्र-५ सङ्क्लष्टासुरोदीरितदुःखाश्च प्राक् चतुर्थ्या -----	५३
सूत्र-६ तेष्वेक-त्रि-सप्त-दश-सप्तदश-द्वाविंशति -----	५८
सूत्र-७ जम्बूद्वीपलवणादयः शुभनामानो द्वीपसमुद्रा -----	६८
सूत्र-८ द्विर्द्विर्विष्कम्भा पूर्वपूर्वरिक्षेपिणो वलयाकृतय -----	७०
सूत्र-९ तन्मध्ये मेरुनाभिर्वृत्तो योजनशतसहस्रविष्कंभो जम्बूद्वीप -----	७२
सूत्र-१० तत्र भरतहैमवतहरिविदेहरम्यकहिरण्यवतैरावतवर्षा -----	८०
सूत्र-११ तद्विभाजिन पूर्वापरायता हिमवन्महाहिमवन्निषध -----	८६
सूत्र-१२ द्विर्धातकीखण्डे -----	१३६
सूत्र-१३ पुष्करार्द्धे च -----	१४०
सूत्र-१४ प्राग् मानुषोत्तरान्मनुष्या -----	१५०
सूत्र-१५ आर्या म्लिशश्च -----	१५२

सूत्र-१६ भरतैरावतविदेहा कर्मभूमयोन्यत्र -----	१६१
सूत्र-१७ नृस्थिती परापरे त्रिपल्योपमान्तमुहूर्ते -----	१६५
सूत्र-१८ तिर्यग्योनीनां च -----	१६६